



दोस्त के घर में उसकी माँ को चोदा- 2

“मैंने अपने दोस्त की माँ की चूत मारी. मैंने पहली बार उसके घर गया था और पहली बार ही उसकी माँ ने मुझे अपनी अदाओं से सेट कर लिया. उसने दोस्त को किसी काम से बाहर भेजा ओर चूत चुदवा ली. ...”

Story By: सैम 14 (sam14)

Posted: Friday, November 10th, 2023

Categories: [माँ की चुदाई](#)

Online version: [दोस्त के घर में उसकी माँ को चोदा- 2](#)

दोस्त के घर में उसकी माँ को चूदा- 2

मैंने अपने दोस्त की माँ की चूत मारी. मैंने पहली बार उसके घर गया था और पहली बार ही उसकी माँ ने मुझे अपनी अदाओं से सेट कर लिया. उसने दोस्त को किसी काम से बाहर भेजा ओर चूत चुदवा ली.

दोस्तो, मैं सैम एक बार फिर से अपनी सेक्स कहानी के अगले भाग के साथ हाजिर हूँ.

दोस्त की सेक्सी मम्मी की वासना

अब तक आपने पढ़ा था कि मैं अपने दोस्त समीर के घर में उसकी माँ को अपना लंड दिखा कर गर्म कर रहा था.

फिर मैं कपड़े पहन कर बाहर हॉल में आ गया.

अब आगे दोस्त की माँ की चूत मारी :

हॉल में समीर ने टीवी ऑन कर दिया था.

जी सिनेमा पर हेट स्टोरी मूवी चल रही थी.

मैंने कहा- यार, ये मूवी मैंने तीन बार देखी है, पर हर बार अधूरी ही देखी है.

समीर- यार मूवी है बहुत अच्छी, पर बहुत हॉट मूवी है.

मैंने कहा- हां यार पता है.

समीर- माँ हमारे लिए चाय बना दो ना !

माँ- ओके तेज चाय बनाऊं या लाइट ?

मैंने कहा- थोड़ी तेज चाय बनाना.

माँ- तुमको कड़क चाय अच्छी लगती है ?

मैंने कहा- हां.

समीर- मुंबई वालों की सब बात हट कर ही होती है.

मैंने कहा- हां मुंबई में अधिकतर लोग कड़क चाय पीना पसंद करते हैं.

हम दोनों मूवी देखने लगे.

मूवी काफ़ी हॉट थी और पता ही नहीं चला कि कब समीर की माँम चाय लेकर हमारे सामने खड़ी हो गई थीं.

हम दोनों ने अपना अपना चाय का मग लिया और चाय की चुस्कियां लेने लगे.

कुछ समय बाद.

माँम- समीर तुम बियर और नमकीन नहीं लाए ? आज शाम को रितु मौसी और उनके हज्बेंड आने वाले हैं.

समीर- मुझे याद ही नहीं रहा. सैम चल साथ चलते हैं.

मैंने कहा- यार आज मैं यह मूवी पूरी देखना चाहता हूं. बस इसका आखिरी ही चल रहा है. तू सब लेकर आ ना. फिर साथ में खाना खाते हैं.

समीर- चल ठीक है.

माँम- समीर आते समय शर्मिला को भी कॉलेज से लेते आना.

समीर- ओके माँम लेकिन उसका कॉलेज तो 4 बजे तक चलेगा !

माँम- अभी तीन तो हो ही चुके हैं, तुम सब चीज़ें खरीदोगे तो टाइम हो जाएगा.

समीर- ओके माँम.

एक बात समीर की बहुत अच्छी थी कि वह कभी भी बहस नहीं करता था.

समीर- ओके सैम, मैं आता हूं, बाइ तुम मूवी देखो.

मैंने कहा- हां बाइ, अपना ख्याल रखना और गाड़ी ज़रा धीरे चलाना.
वह चला गया.

कुछ समय तक तो मैं मूवी देखता रहा था.
फिर मूवी फिनिश हो गयी.

समीर की माँम किचन में काम कर रही थीं, उनकी गांड मेरी ओर थी.

मैं किचन में उनके पीछे खड़ा हो गया.

समीर की माँम अपने काम में इतनी ज्यादा व्यस्त थीं कि उन्हें पता भी नहीं चल कि कब मैंने टीवी का स्विच ऑफ कर दिया और उनके पीछे आ गया.

मैंने कहा- आप तो पूरी पसीने में भीग गई हैं.

माँम ने एदकम से चौंक कर मुड़ कर देखा और बोलीं- मैं अभी काम खत्म करके नहा लूँगी.

मैंने कहा- मैं आपकी कुछ हेल्प कर सकता हूँ ?

माँम- नहीं, तुम आराम से बैठकर टीवी देखो.

मैंने कहा- आपका पूरा शरीर पसीने में भीग चुका है !

इतना बोलकर मैं समीर की माँम के एकदम निकट आ गया था.

समीर की माँम मेरी साँसों को अपनी पीठ पर महसूस कर रही थीं.

मैं अपने होंठों से उनकी गर्दन को सहलाने लगा.

वे सिहर गई और उनके मुँह से एक कामुक सी आह निकल गई.

मैंने अपने दोनों हाथ आगे ले जाकर उनके मम्मों पर रखे और उन्हें धीरे धीरे सहलाते हुए

दबाने लगा.

मेरे हाथ अपने मम्मों पर महसूस करते ही समीर की माँम के शरीर में एक सिहरन सी दौड़ गई.

वे थोड़ा सा पीछे को हुई और मेरा खड़ा लंड उनकी गांड की दरार में घुस गया.

समीर की माँम ने अपने आपको रोकने की कोशिश की.

पर मैंने अपने एक हाथ से उन्हें अपनी ओर को खींच लिया और अपने लंड को उनकी गांड से सटा दिया.

आंटी कसमसा कर रह गई.

मैंने धीरे से उनकी गर्दन पर किस करना शुरू कर दिया.

तभी समीर की माँम ने गैस स्टोव को बंद कर दिया और अपना सिर मेरे कंधे पर रख दिया.

समीर की माँम का यह करना मेरे लिए एक ग्रीन सिग्नल था.

मैंने तुरंत अपने दोनों हाथों को वापस उनके मम्मों पर रख दिया और उन्हें मसलने लगा.

समीर की माँम की सांसें भारी होने लगीं.

मैंने कहा- आपका फिगर तो बड़ा जानलेवा है जान.

माँम- क्या मतलब ?

मैंने कहा- आपका शरीर किसी के भी शरीर में आग लगा सकता है.

माँम- तुमने अभी मेरा शरीर देखा ही कहाँ है ?

मैंने कहा- जितना देखा है, उतना ही आग लगाने के लिए काफी है जान.

माँम- पूरा शरीर देखोगे तो जल जाओगे.

मैंने कहा- तो आज मैं जलने के लिए तैयार हूँ. आपके दूध और गांड तो समझ ही ली है कि कितनी मारू है. इट इज टू गुड.

माँम- मैंने तुमसे कहा है कि मुझे अंग्रेजी थोड़ी कम समझ में आती है.

मैंने साफ कहा- आपकी चूचियां और गांड बहुत खूबसूरत हैं.

माँम- तुमने तो अभी तक इन दोनों को देखा भी नहीं है.

मैंने कहा- मैं बेकरार हूँ इन्हें देखने के लिए!

माँम- मैं इस समय सिर्फ तुम्हारी हूँ, जो चाहो देख सकते हो और जो चाहे कर भी सकते हो.

मैंने अपना हाथ समीर की माँम की सलवार के नाड़े पर रखा और एक झटके में उसे ढीला कर दिया.

नाड़ा खोलते ही उनकी सलवार ज़मीन पर गिर गई.

समीर की माँम अब सिर्फ पैंटी और कमीज़ में रह गई थीं.

अन्दर शायद ब्रा भी थी.

मैंने हिम्मत करके उनकी कमीज़ की ज़िप को अपने होंठों से नीचे कर दिया और उनकी नंगी पीठ मेरी आंखों के सामने थी.

समीर की माँम ने अपने दोनों हाथ नीचे किए और अपनी कमीज़ उनके पैरों में गिर गई.

समीर की माँम इस समय सिर्फ लाल रंग की ब्रा और पैंटी में थीं.

उनका शरीर एकदम गोरा और गठीला था.

वे लाल ब्रा ओर पैंटी में एक अप्सरा लग रही थीं.

मैंने समय नष्ट न करते हुए ब्रा का हुक खोल दिया और समीर की माँम को अपनी ओर

घुमा लिया.

समीर की माँम ने मेरी टी-शर्ट को उतार दिया और मेरी ट्रंक पैट में हाथ डाल दिया.

हाथ डालते ही समीर की माँम बोल उठीं- वाउ, तुम्हारा लंड तो समीर के लंड से भी बड़ा है.

मैंने कहा- यह अब मेरा कहां रहा, यह आपका हो चुका है.

माँम- आज बहुत दिनों के बड़ा सा लंड मिला है.

मैंने कहा- क्यों समीर का लंड इतना बड़ा नहीं है क्या ?

माँम- नहीं, समीर का लंड छह इंच का है और सिर्फ 2 मोटा है. तुम्हारा तो 7 इंच लंबा और साढ़े तीन इंच मोटा लग रहा है ... इतना ही होगा न ?

मैंने कहा- आपको बड़ा अनुभव है लंड की साइज़ का !

दोस्त की माँ- चुदाई का अनुभव पिछले 24 साल का है.

मैंने कहा- ओह मतलब आप इतनी कम उम्र से चुदवा रही हो ?

माँम- हां पहले तो कम उम्र में ही शादी हो जाती थी, मेरी भी हो गई थी.

बातों ही बातों में मैंने उनकी पैटी भी उतार दी. समीर की माँम की चूत एकदम कलीन थी. चूत पर एक भी बाल नहीं था.

मैंने अपने हाथ की बीच वाली उंगली उनकी चूत में डाल दी.

उंगली के अन्दर जाते ही समीर की माँम कराह उठीं- आह, ज़रा धीरे ... पिछले दो महीने से नहीं चुदी हूँ.

मैंने कहा- ओह क्या बात है. इतना खूबसूरत शरीर और इतनी प्यास ! आज इसकी पूरी

प्यास बुझा दूँगा.

माँम- मैं भी बेकरार हूँ.

मैंने समीर की माँम को अपनी बांहों में उठा लिया और बेडरूम की ओर चल दिया.

माँम- ज़रा संभल कर, दो महीने पहले समीर ने भी मुझे गोद में उठाया था और उसकी कमर में दर्द होने लगा था. तभी से डॉक्टर ने उसे चुदाई करने से मना किया है.

मैंने कहा- कोई प्रॉब्लम नहीं, मैं हूँ ना आपकी चुदाई के लिए.

तब मैंने समीर की माँम को धीरे से बेड पर बिठा दिया और मैं पास बैठ गया.

मैं उनकी चूचियों के एक निप्पल पर अपने होंठ लगाए और उसे मुँह में लेकर चूसने लगा, दूसरे को दूसरे हाथ से पकड़ कर दो उंगलियों में दबा कर मींजने लगा.

कुछ देर बाद दूसरे निप्पल को भी इसी तरह चूसा और अब अपने खाली हाथ से उनकी चूत को सहलाने लगा.

माँम- मुझे तुम्हारा लंड चूसना है.

मैंने कहा- यह आप ही का है.

मैंने तुरंत अपनी ट्रंक पैट उतार दी और अपने लौड़े को समीर की माँम के मुँह में दे दिया.

मैं अपने हाथों से उनके बूक्स दबा रहा था.

समीर की माँम मेरे लंड को मुँह में लेकर चूस रही थीं.

वे बेड पर बैठी थीं और मैं खड़ा था.

मैंने समीर की माँम को बेड पर लिटा दिया और हम दोनों 69 की पोज़िशन में आ गए.

समीर की माँम के क्लिट भूरे रंग की बड़ी सी और रस से भरी हुई थी.

जैसे ही मैं आंटी की क्लिट को मुँह में लेकर चूसने लगा, उनके मुँह से तेज आवाज़ निकल गई- आह सैम अरे धीरे चूस ... बहुत दर्द हो रहा है.
लेकिन उनकी क्लिट में बहुत रस भरा हुआ था और वह बहने लगा था.

मैंने उनकी चूत को खोल दिया और अपनी जीभ उनकी चूत में डाल दी.
समीर की माँम की चूत अन्दर से बिल्कुल गुलाबी रंग की थी.

मैंने अपने दोनों होंठ उनकी चूत पर चिपका दिए और ज़ोर ज़ोर से चूत को चाटने लगा.

समीर की माँम एक बिन पानी की मछली की तरह तड़पने लगी थीं और मेरे लंड को जोर जोर से चूसने लगी थीं.

कुछ समय बाद समीर की माँम की चूत फ़ड़कने लगी, मैं समझ गया कि अब वे झड़ने वाली हैं.

यही हुआ भी, अगले एक मिनट बाद वे झड़ गईं और उनकी चूत का सारा पानी मेरे मुँह में आ गया.

मैं उस नमकीन अमृत को गटक गया.

समीर की माँम का शरीर पूरा पसीने में भीग चुका था और वे एकदम निढाल होकर मेरा लंड चूस रही थीं.

अगले कुछ मिनट बाद मेरा लंड एकदम से कड़क हो गया और कुछ ही पलों बाद मेरे लंड से एक ज़ोरदार पिचकारी निकली और मैंने अपना सारा माल समीर की माँम के मुँह में डाल दिया.

समीर की माँम ने भी मेरे लौड़े से निकला सारा माल गटक लिया.

इसके बाद समीर की माँम और मैं, हम दोनों बेड पर पूरे नंगे लेटे रहे.

मैं फिर से आंटी के मम्मों को सहलाने लगा और वे मेरे लंड को अपने हाथ में लेकर सहला रही थीं.

समीर की माँम- तुमने अपने लंड को मेरी चूत में क्यों नहीं पेला ?

मैंने कहा- आपकी चूत चोदने का मज़ा अबकी बार में ज़्यादा आएगा.

समीर की माँम- तुम्हारे लंड का पानी बहुत गाढ़ा क्यों है ?

मैं- मैंने पिछले एक महीने से किसी को भी नहीं चोदा है. यहां काम में इतना व्यस्त हो गया और थक जाता कि किसी से सेक्स करने का टाइम ही नहीं मिला. आंटी मैं आपसे एक बात कहना चाहता हूँ.

समीर की माँम- हां बोलो.

मैंने कहा- आपको देखकर नहीं लगता कि आपके इतने बड़े बच्चे होंगे ?

माँम- मेरी कम उम्र में शादी हो गयी थी और शादी के दूसरे ही वर्ष में मैं माँम बन गई थी.

मैंने कहा- आपका शरीर एकदम कसा हुआ है और आपकी चूत का मुँह बहुत छोटा भी है.

माँम- मैं जब 10 साल की थी तो समीर के दादाजी के खेत में नौकरी करती थी. मेरा बदन बचपन से ही आकर्षक रहा है. जब मैं खेत में काम पर जाती थी, तो समीर के पिताजी ने मुझे एक दिन खेत में काम करते हुए देखा और अपने पिता जी से कहा कि मुझे इस लड़की से विवाह करना है. समीर के पिताजी बहुत कमज़ोर किस्म के पुरुष थे, पर उनके पिता जी जमींदार थे तो कौन सी लड़की इस रिश्ते के लिए ना कहेगी. शादी के बाद भी मैं अक्सर खेत में काम करती थी. आज भी मेरे घर का सारा काम मैं अकेले ही करती हूँ.

कुछ समय बातें करने के बाद समीर की माँम मेरे सोए हुए लंड को फिर से चूसने लगीं.

मैं भी उनकी चूत को बड़े मज़े से चाटने लगा था.

कुछ समय बाद मेरा लंड एकदम कड़क हो गया.

यह देख कर समीर की माँम बोलीं- सैम, अब तू मेरी प्यास बुझा दे.

मैंने कहा- अब तो मैं आपकी चूत का भोसड़ा बना दूँगा.

मैं उठा और समीर की माँम की दोनों टांगों के बीच में बैठ गया.

मैंने अपने लंड पर ढेर सारा थूक लगाया और लंड को समीर की माँम की चूत के मुख पर रख दिया.

माँम- प्लीज़ अब ओर मत तड़फाओ ... और मेरी इस प्यासी चूत की प्यास को बुझा दो.

मैंने कहा- लो मेरी रानी, तुम्हारे आदेश का पालन कैसे टाल सकता हूँ.

ये बोलते ही मैंने अपने लंड से एक जोरदार झटका मारा और मेरा पूरा लंड समीर की माँम की चूत को चीरता हुआ चला गया.

माँम- आह मर गई ... हे भगवान मेरी चूत फट गयी ... आह मुझे बहुत पीड़ा हो रही है.
तुम अपना लंड बाहर निकालो.

मैंने कहा- कुछ समय प्रतीक्षा करो, सब कुछ ठीक हो जाएगा.

माँम- तुम्हारा लंड आदमी का लंड है या गधे का ?

मैंने कहा- जो भी है, अब तुम्हारा है.

माँम- इस 24 साल की चुदाई में मुझे इतनी पीड़ा आज तक नहीं हुई है.

मैंने कहा- जान 24 साल तक तुम कभी किसी मर्द से नहीं चुदी थीं शायद !

कुछ देर इसी तरह की बकचोदी के बाद समीर की माँम ने कहा- हां, अब कुछ अच्छा लग रहा है.

मैंने कहा- थोड़ा समय रुक जाओ, सब पीड़ा दूर हो जाएगी.

समीर की माँम का ध्यान बँटाने के लिए मैंने उनके होंठों को चूसना स्टार्ट कर दिया और वे भी मेरा साथ देने लगीं.

मैंने देखा कि अब समीर की माँम का पूरा ध्यान चुंबन पर है, तो मैंने लौड़े को आगे पीछे करना आरम्भ कर दिया.

फिर कुछ ही समय में समीर की माँम की ताबड़तोड़ चुदाई शुरू कर दी.

मैं धीरे धीरे उनके बूब्स को चूसता और उनके निप्पलों को अपने दांत से काट लेता.

दोस्त की माँ भी चुदाई का पूरा आनन्द ले रही थीं.

कुछ समय बाद समीर की माँम कुछ ढीली सी पड़ गई और मैं अकेले ही धक्के मारता रहा.

मैंने कहा- क्या हुआ ?

माँम- अब तेरे जैसी जवान तो हूँ नहीं, जो अब ताकत से तेरा साथ देती रहती. वैसे तू मेरी शर्मीला के लिए बिल्कुल सही है.

मैंने कहा- ठीक है, उसे भी देख परख लेंगे.

तब मैंने समीर की माँम की चुदाई जारी रखी और बीस मिनट बाद मेरा लंड एकदम कड़क हो गया और मेरे लंड से ढेर सारा वीर्य निकल कर समीर की माँम की चूत में निकल गया था.

उनकी चूत में वीर्य की बाढ़ सी आ गई थी.

हम दोनों थक कर एक दूसरे की बांहों में सो गए थे.

फिर कुछ मिनट बाद समीर की माँम खुद उठीं और मुझे भी शॉवर लेने को कहने लगीं.
हम दोनों एक साथ शॉवर लेने चले गए.

दोस्तो, अगली बार मैंने समीर की माँम के साथ उनकी बेटी शर्मीला को कैसे चोदा और उसके बाद समीर और मैंने मिल कर क्या क्या गुल खिलाए, वह सब मैं आपको सेक्स कहानी के अगले भाग में लिखूँगा.

आप मुझे अपने कमेंट्स से बताएं कि आपको दोस्त की माँ की चूत की कहानी कैसी लगी.

sam14976@yahoo.com

Other stories you may be interested in

मेरी सहेली ने मुझे अपने पापा से चुदवाया- 3

लंड चूत सेक्स कहानी में मैं अपनी सहेली के घर उसके साथ उसके पापा के सामने नंगी थी. पहले उसके पापा का लंड चूसा मैंने, फिर अंकल ने मेरी चूत चाट चाट कर मुझे चरम सुख दिया. कहानी के पिछले [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त के घर में उसकी माँ को चोदा- 1

फ्रेंड माँम हॉट कहानी में मेरा एक नया दोस्त बना. उससे सेक्स की बातें होने लगी. मैंने उसे बताया कि मैं अपनी बहन को चोदता हूँ. तो उसने बताया कि वह अपनी मम्मी की चुदाई करता है. प्यारे दोस्तो, मैं [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सहेली ने मुझे अपने पापा से चुदवाया- 2

न्यूड फैमिली Xxx कहानी में मेरी सहेली के घर गयी तो उसकी मम्मी और पापा चुदाई कर रहे थे. मेरी सहेली उनकी चुदाई देखकर मुझे अपने कमरे में ले गयी. कहानी के पहले भाग सहेली ने मेरी चढ़ती जवानी का [...]

[Full Story >>>](#)

मजदूर औरत को चोद दिया उसकी बेटी के सामने

देसी औरत Xxx कहानी में मैंने एक औरत की मदद की उसे काम दिलवाया, कमरा दिलवाया, मेरी नजर उसकी जवान बेटी पर थी. पर मुझे बेटी नहीं माँ की चूत मिली चोदने को! सभी लन्ड वालों को और चूत वालियों [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सहेली ने मुझे अपने पापा से चुदवाया- 1

Xxx गर्ल सेक्स डिजायर में मैं अपनी चूत में लंड लेने के लिए बेचैन थी. कई महीने से लंड नहीं मिला था. तो मैं कॉलेज नहीं गयी. मेरी सहेली मुझे अपने घर ले गयी. मेरी पिछली कहानी मैंने पापा को [...]

[Full Story >>>](#)

